



CL
18-8

भारत का गज़ते The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८]

नई दिल्ली, जनवार, मई १८, १९८५/वैशाख २८, १९०७

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 18, 1985/VAISAKHA 28, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचनाएं

कोचीन, 18 अप्रैल, 1985

निदेश सं. एल. सी. 736/85-83—यतः मुझे,
सच्ची चांधरे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है)
की धारा 269वाँ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी
सं. अनुमूल्य के अनुसार है, जो काण्डा मूर्तिस्पैलिटी में स्थित
है, (और इससे उपावद अनुसूचे में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कण्णूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-.

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
नुविधा के लिए ।

अनुसूचना अधिनियम की धारा 279-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री चन्द्रकान्त पुरुषोत्तम (अन्तर्क) (2) श्री के प्रबुल्ला अम्मनकुट्टि अन्दुलजलील मुहम्मद प्रपणक अम्मवो स यवुलिला अब्दुल्ला तुन्ती मुमार्दिल नूरगहात कठी-गवो जर्माला, राजा गौला, नावाद बफाक और ममीता (मैनेरस) के लिये पि मुहम्मद। (आशार्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करनी है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास निखिल में किये जा सकें।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास निखिल में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 1-8-1984, उपर्याप्ति कार्यालय कण्णूर के दस्तावेज स 2125 में मतभन्न अनुग्रह के अनुसार कण्णूर मुनिस्पैलिटी सर्वे स 148/2/डब्लू/2/डब्ल्यू/4 में 60 सेन्ट भूमि के साथ एक मकान ग सीमा 29/1714 और 29/1713।

तारीख 18-4-85

मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961)

Cochin, the 18th April, 1985

Re: LC 736/85-86 — Whereas I, Mrs S Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said A), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing S No as per Schedule situated at

Cannanore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cannanore on 1-8-1984 for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

- (1) Sri Chandrakanth Purushotham, C/o M/s Purushotham Gokuldas, Bank Road, Cannanore-I (Transferor)
- (2) Sri Kinakkool Abdulla & Others Zuhara Manzil, Post Narath, Cannanore-670603, (see Annexure-1) (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

60 cents of land with a building bearing Nos CC-29/1714 and 29/1713 of Cannanore Municipality, registered with SRO, Cannanore.

Dated : 18-4-1985

Seal :

ANNEXURE-1

Name and address of 17 persons having share in the property

Sl. No	Name and Address	Share in the Property
1.	Kinakkool Abdulla, Zuhara Manzil, Post Narath-670 603	3/24
2.	Ampala Parambil Parakkat Assankutty, Sathiriya Manzil, Cannanore-670 003	3/24
3.	Kachayi Puthiyapurayil Abdul Jaleel, K.P. House, Mill Road, Balipatram-670 010	1/24
4.	Kachayi Puthiyapurayil Muhammed Ashraf, K. P. House, Mail Road, Balipatram-670 010	1/24
5.	Kallinkeel Asmabi, d/o. Abdullakunji, 'Oasis', Thana, Cannanore-670 01?	1/24
6.	Odentavida Sayibunnisa, S/o. Assankunhi, 'Palm View', Neerchal, Cannanore-670 003	1/24
7.	Arakkakath Abdu, 'Noorajahan' Thana, Cannanore-670 012	1/24
8.	Inchintakath Hamsa Kunhi, "Suneeras" Thana, Cannanore-670 012	1/24
9.	Kallinkeel Musadhiq, 'Oasis', Thana, Cannanore-670 012	1/24
10.	Chirakkalakath Noorjahan, 'Noorjahan', Thana, Cannanore	1/24
11.	Thazhapura Puthiyapurayil Khadeejabi, "Fathibi Manzil" Anayidukku, Cannanore 670 012.	}
12.	Thazhepura Puthiyapurayil Jameela, Fathibi Manzil, Anayidukku, Cannanore-670 012	
13.	Thazhepura Puthiyapurayil Ramla, "Fathibi Manzil", Anayidukku, Cannanore-12	10/24
14.	Thazhepura Puthiyapurayil Roula, "Fathibi Manzil", Anayidukku, Cannanore-670 012	
15.	Thazhepura Puthiyapurayil Moushad, Fathibi Manzil, Anayidukku, Cannanore-670 012	
16.	Thazhepura Puthiyapurayil Shafeequ, Fathibi Manzil, Anayidukku, Cannanore-670 012 (Minor)	
17.	Thazhepura Puthiyapurayil Semeena, Fthibi Manzil, Anayidukku, Cannanore 670 012 (Minor) (Minors represented by father Puthiyapurayil, Mahmood, s/o Abdurahiman, Fathibi Manzil, Anayidukku, Cannanore-670 012.)	

कोचीन, 20 अप्रैल, 1985

निदेश : सं. एल. सी. 737/85-86.—यतः मुझे, सची चौधूरो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो कट्टप्पना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुबनचोला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं. ऐसे

दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्व मरिया क्रिल्मस (अन्तरक)
(2) मैसर्व सानन्दा थियेटर्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करती हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; या
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तारीख 29-8-1984 उपरजिस्ट्री कार्यालय, उडुबनचोला के दस्तावेज सं. 1661 में सलंगन अनुसूची के अनुसार कट्टप्पना विलेज सर्वे सं. 37/1 में 47-1/4 सेन्ट भूमि के साथ एक सिनेमा थियेटर ।

तारीख : 20-4-85

मोहर :

Cochin, the 20th April, 1985

Ref. L.C. 737/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Kattappana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 29-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Mariya Films,
Kattappana,
Represented by Sri—Varkey Devassia,
Managing Partner (Transferee)
- (2) M/s. Sananda Theatres, Erattupetta.
Represented by Sri. Kurien Sebastian,
Managing Partner (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

47-1/4 cents of land with a cinema theatre in Sy. No. 371 of Kattappana Village, registered in SRC, Udumbanchola, as per Document No. 1661 dated 29-8-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

निदेश मा. पल सा. 739/85-86 :- यह मुझे
सच्ची चालमे, प्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमा इनक पश्चात् अन्तर्गतयम) कहा गया है) का
विधा 269B के प्रतीक, नक्षम प्राप्तिकार्य को, यह विश्वास
करने के कारण है कि व्यावर मंपत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं.
अनुमति के अनुमार है, जो पारम्परिक विवेज में स्थित है
(जोर इसमें 30 बढ़ अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 9-8-1984 की पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार
मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की
गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि
व्यापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत में अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तर्गत) और अन्तर्ती (अन्तर्गतयम) के बोच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित अद्वेष्य में इकत अन्तरण लिखित
में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई तिगी प्राय की धावन उक्त
प्रधिनियम हें अधीन कर देन के अन्तरक के
द्वायत्व में उमी उरते प्र. अन्तरण में सुविधा
के लिए, आर्या
- (घ) ऐसा किसी प्राय, जो वह या अन्य आस्तर्यों
को, जिन्हे भाग्यीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या अन्तरण अधिनियम, 1957
(1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तर्गती डारा
प्रदृष्ट कर्ता किया गया या किया जाना चाहिए था
लिखान में सुविधा के लिए ।

यह यद्युक्त अधिनियम को धारा 269B के अनुमत्ता में, उक्त
कार्यालय, की धारा 260(४) का उपचारा (1) के अधीन
निम्नान्वयत व्याकरणों, पर्याप्त :—

(1) श्री प्र. वि. मुरलिंग (अन्तरक)

(२) श्रीमती सुमित्रा (अन्तर्गती)

को यह गृहना जारी करने पूर्वोक्त मंपत्ति के अंतर्गत के लिए
प्रदृष्ट कार्यालय शुरू करती है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी आधेष्टः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोंका में से किसी व्यक्ति द्वारा, या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवधारणाकारी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

रजस्ट्रीकरणः—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में व्यापकाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमत्ता

नं गोद 9-8-1984 उपरोक्त कार्यालय उडुम्बनचोला के दस्तावेज में 1550/84 में संलग्न अनुमत्ता के अनुसार पाराथोड विलेज सर्वे सं. 7/1ए, 7/1बी, 7/2ए, 7/3, 37 और 8/6 में 8.55 एकड़ कार्डिमस प्लेट।

तारोत्तम : 20-4-85

मोहर

Ref. L.C. 739/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathode Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udnmbanchola on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri. S. V. Suruliraj,
Main Street, Ponnaipuram Panchayat,
Uthamapalayam Taluk, Madurai District.
(Transferor)
- (2) Smt. Sunu Mani,
Kallupalam House,
Valiakadavanthara, Cochin (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

8.55 Acres of Cardamom Estate in Sy. No. 71A, 71B, 72A, 73, 37, 8/6 of Parathodu village, registered in SRO, Udnmbanchola, as per document No. 1550/84.

Dated : 20-4-1984

Scal :

निदेश म. एन. सी 710/85-86—यह सुझे सची चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजाह मूल्य 25,000 रु. में अधिक है और जिसकी म. अनुमत्ता के अनुसार है, जो पाराथोड गाव में स्थित है (आंतर इसमें उपादान अनुमत्ता में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रेकरी अधिकारी के कार्यालय उडुम्बनचोला में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान 13-8-1984 को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित वाजाह मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिरंगे अंतरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित वाजाह मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल में पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारा इसे कर्मा दर्शन या उन्होंने बचत में सुविधा के लिए और/या
- (ख) किसी आय, किसी धन या ग्रन्थ आमतयों की जिन्हें नागरीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 ला 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ला 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जारी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एगो वि० वेंकिटस्वामी गौडर
(अन्तरक)
- (2) श्रोभनो मुनु मणि
(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करते हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवाध या नमंबद्धी व्यक्तियों पर सुनना की तारीख में 30 दिन की प्रवाध, जो भी प्रवाध वाद में गमाल होती है। के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—

उन्होंने प्रयुक्त गद्वां और पद्वों वा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पथापरिभासित हैं, वही शर्य होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

तारीख 13-8-1984 उपर्यज्ञाती कार्यालय उडुंबन्नन्नोला के दस्तावेज म. 1574 में सलग्न अनुसूची के अनुसार पारथोड विलेज मर्वे म. 18/3, 23/1/4 और 48 में 10.74 एकड़ कार्डिमम प्लैट।

तारीख 20-4-85

मोहर :

Ref. L.C. 740/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said A), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodu Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri. S. V. Venkataswamy Gowder,
Main Street, Pannaipuram Village,
Uthamapalayam,
Madurai District. (Transferor)
- (2) Smt. Sunu Mani,
Kallupalam House, Valiakadavanthara,
Cochin. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1 0.74 Acres of Cardamom estate in Sy. No 1813,
 2 34 and 48 of Parathodu Village, registered in
 S. b, Udumbanchola, vide document No. 1574 dt.
 1 3-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

निवेदन मं. एन. मी. 741/85-86 :— यतः मुझे, मच्ची चौधरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें उम्मेद पञ्चान् उन अधिनियम), की धारा 269 बि के सक्षम प्राधिकारी ने यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर मंस्तानि जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. मे प्रदिक्षित है और जिसकी मे अनुमति के अनुसार है जो पर्याप्त गांव मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमति मे और पूर्ण स्पष्ट मे वर्णित है), गजरटीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उड्डबन्चोला मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन 13-8-1984 का प्रवर्कित मंस्तानि के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुमित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंस्तानि का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मे गमे दृश्यमान प्रतिफल के पांचह प्रतिशत मे अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच गमे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण मे उपर अन्तरण लिखित मे वास्तविक स्पष्ट मे कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण मे है (करी आय की वातन आयकर अधिनियम, ने अधीन 13 का देने के अन्तरण के सामने मे उपर अन्तरण के वचन मे सुनिधा के लिए अंतरक)

(ख) गमी निम्नी आय का निर्दिष्ट विना के अन्य आमनगरों का, जिने 13 एक; अधिनियम 1961 (1961 का 13) का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया तो किया जाता जाता था, लिपाने मे सुनिधा के लिए।

परं यह अधिनियम की धारा 269 बि के अनुसार मे, उपर अधिनियम की धारा 269 बि की अधिनियम (1) के अधीन निम्नान्वयन दोनों, अधीन—

1. श्री ए प्रम. वेकिटम्बामि गोडर (अन्तरक)
2. श्रीमति सुन् भणि (अन्तर्गती)

को यह चूचर नारी नगर के पुर्वकित समाज के अंतर्गत के

विए प्राप्त गा. नायविहिया शुल्करती है। उक्त मंस्तानि के प्रत्यंत के भवध मे कोई भी आधिक नहीं है।

(क) इस मूल्यना के राजपत्र मे प्रत्याशन की तारीख 13-4-1985 इन की अंतर्गत गा. नायविहिया अधिकारी पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की प्रवाप्ति, जो भी अवधि वाले मे गमाप्त होती हो के मीठे प्रवर्कित मे अनुसारी अधिकत द्वारा या।

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र मे प्रत्याशन की तारीख 13-4-1985 इन के भीतर इस स्थावर मंस्तानि मे हितवद्धि निम्नी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनहस्ताक्षरी के पाय लिखित मे किये जा सकते।

नाटोरणः—

उम्मेद प्रथुक्त गवां और गवां का, जो उपर अधिनियम के अन्याप 20-क मे अथवा विभागित है, वही अर्थ होता जो उम्मेद प्रथाय मे दिया गया है।

अनुमति

तारीख 13-8-1984, उपर्यज्ञी कार्यालय उड्डबन्चोला के दस्तावेज स. 1575 मे अनुमति अनुग्रही के अनुसार पार थोड विलेज सर्वे म. 18/1, 18/1-ए, 16/4, 36 और 8/5 मे 10.65 एकड कार्डमिम एक्टेट।

तारीख : 20-4-85

मोहर

Ref. L.C. 741/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodu village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri. A. S. S. Venkataswamy Gowder,
Pannaipuram Panchayat,
Uthamapalam, Madurai. (Transferors)
- (2) Smt. Sunu Mani,
Kallupalam House,
Valiakadavanthara, Cochin. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

10.65 Acres of Cardamom Estate in Sy. No 181, 181A, 1614, 36 & 85 of Parathodu Village, registered in SRO, Udumbanchola, "ide document No. 1575 dt 13-8-1984

Dated : 20-4-1985

Seal :

निम्न म एक. सी. 742/85 86 :— यतः मुमे, मच्ची चौधरी ग्रामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें “मेरो पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा 269ग के मक्षम प्राप्तिकारी रूपे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति त्रिग्रामा उचित बाजार मूल्य 25,000/- के

अधिक है और जिसकी संभवता है जो पारम्परा गाव में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध श्रन्मूली में और पूर्ण स्थित में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के नामी उद्देश्यनालीना में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, 9-8-1984 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अतिरिक्त को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह में अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्गत के निए नया पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित से वास्तविक है में कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आव वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में बमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्री/गा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियने में सुविधा के लिए।

अन: अब अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिम्नित अविक्तियों अवधि :—

- 1. श्री पं. वि. बालकृष्णन (अन्तरक)
- 2. श्रीमती. मुनु मणि (अन्तरिती)

को यह मूलना जारी करने पूर्वोक्त मम्पत्ति के अवैनियम का विवरण द्वारा वापर्यवाहियां शुरू करनी हैं।

उक्त मम्पत्ति के अवैनियम के अवैनियम में काई भी अक्षेप :—

(क) इस मूलना के ग्रामपाल में प्रकाशन की तारीख गे 15 दिन की अवधि या ताम्वती वेकिया पर मूलना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवैनियम वापर में मम्पत्ति होती है के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या;

(ख) इस मूलना के ग्रामपाल में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन के भीतर मम्पत्ति में हितापद निर्गी अन्य अविक्त हरा, अर्पणहस्ताक्षरों द्वारा निर्धारित में किये जा सकें।

स्थानीय संघ —

इनमें प्रथम शब्दों और पहले का, जो उक्त अधिनियम, वे प्रथमाय २०-के में यथापरिभासित हैं, वही शब्द हीना, जो उन प्रथमाय में दिया गया है।

अनुमति

तारीख १०.८.१९८४ उप-रजिस्ट्री कार्यालय उदुबनचोला के दस्तावेत में १५५१में मंगलन अनुमति के अनुसार पारथाइ बिलेज मर्वे स. ९, १०, ३७ और ८/६ में ९.०९ एकड़ “कार्डमम प्रस्टेट”।

तारीख ३०.४.१९८५

मोहर:

Ref. I.C. 742 ८५-८६.—Whereas I. Mis. S Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodo Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on १०.८.१९४४ for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Sri. S. V. Balakrishnan,
Main Street, Vannapuram Panchayat,
Uthampalayam Taluk,
Madurai District. (Transferors)

(2) Smt. Sunu Mani,
Kallupalam House,
Valiakadavanthara, Cochin. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

9.09 Acres of Cardamom estate in Sy. No. 9, 10, 37 and 8/6 of Parathodi Village, registered in SRO, Udumbanchola, as per document No. 1551 dt. १०.८.१९४४.

Dated : २०.४.१९८५.

Seal .

निवेश म. एवं श्री. ७४३/८५-८६—यतः ममे ममी
चौपरी, आयकर अधिनियम, १९६१, (१९६१ का ४३)
(जिसे इसमें इसमें पञ्चात उक्त अधिनियम) की धारा २६९४
के सक्षम प्राधिकारीकों, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. में अधिक है और जिसकी में अनुमति के अनुसार
है; जो पारथाइ गाँव में स्थित है (और इसमें उपायद
अनुमति में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय उदुबन्चोला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १५) के अधीन, १०.८.१९४४ को
पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम में दृष्यमान
प्रतिकल के लिए अनुरूप को गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिकल में से दृष्यमान प्रतिकल के पांद्रह प्रतिशत
में अधिक है और यह कि अन्तर्गत (अतर्गतों) और अन्तर्गतीय
(अन्तर्गतियों) के बीच तो में अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित
में व्यापक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण में हई किसी आय की आवश्यक आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या विस्तो धन या अन्य स्थिति को जिन्हे भारतीय अधिनियम 1961 (1961 वा 43) या धनशर अधिनियम 1957 (1947 वा 27) के प्रयोगनार्थ अनुचितो द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या फिया जाता चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अब मुझे अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 260-प्र को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथानि :—

1. श्री एस.वि. बालकृष्णन	(अन्तरक)
2. श्रामिकी सुनु माणि।	(प्रतिरक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविधाय कारता है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मर्दंधर्म में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 9-8-1984, उत्तराञ्जीस्ट्री वार्डनाय उडुबंनचौला के दस्तावेज सं. 1552 में संगत अनुसूची के अनुसार पारंपरोड विलेज सर्वे सं. 9 में 9.47 एकड़ “कार्ड-मम एस्टेट”।

तारीख : 20-4-85

मोहर:

Ref. L.C. 743/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Sy. No. as per schedule situated Parathodu Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri. S. V. Balakrishnan,
Main Street, Ponnaipuram Panchayat,
Uthamapalayam Madhurai. (Transferors)
- (2) Smt. Sunu Mani,
Kallupalam House,
Valiakadavanhara, Cochin. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

9.47 Acres of Cardamom estate in Sy. No. 9 of Parathodu Village, registered in SRO, Udumbanchola vide document No. 1552 dt. 9-8-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

निदेश : स. एन. सी. 744/85-86—अतः मुझे, सच्ची चांदीचारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त व्यविधि में की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी म. अनुमूल्य के अनुसार है, जो पारथोड गाँव में स्थित है (‘श्री’ इसे ता बढ़ अनुमूल्य में पूर्णरूप से वर्णित है), अजम्नीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुवंनचीला में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वारस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई फिरो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी फिरो आय या फिरी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भागीदारी अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम. वि. गांधा-मुण्डन।
2. श्री एम. एम. माणि।

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टांकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिकावित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

तारीख 9-8-1984 उपरकिस्ती अर्थात् उडुवंनचीला के दस्तबेज म. 1553 में सेलगत अनुमूल्य अनुमार पारथोड विलेज सर्वे स. 13, 20-1-1, 37 और 8/6 में 9.14 एकड़ “कार्डमू एस्टेट”।

तारीख 20-4-1985

मोहर

Ref. L.C. 744/85-86.—Whereas I, Mrs. S. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodu Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Sri. S. V. Radhakrishnan,
Main Street, Pannaipuram Panchayat,
Uthumapalayam, Madurai District.
(Transferors)
- Sri. M. M. Mani,
Kallupalam House, Valiakadavanthara,
Cochin.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

9.14 Acres of Cardamom Estate in Sy. No. 13, 20/1, 37 and 86 of Parathodu Village registered in SRO, Uduhanchola, vide document No. 1553 dt. 9-8-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

निदेश मं. नं. सी. 745/85-86—अतः ममे, मर्जी
चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, को धारा
269ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अतिक्रम है और जिसकी सम्पत्ति के अनुपार है, जो पार्श्वोड गाव में स्थित (आर इसमें उपार्वक अनुसूचा में और पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडवनचेला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मैं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए मग्या गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियम में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है।

- अन्तरण से होई किसी आय की वाचन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदी में कमी करने या उसमें चर्चने में सुविधा के लिए आर या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिसे भारतीय अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनों द्वारा प्रदान नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या लिपाने में सुविधा हो लिए।

अन्तः अब अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार से उक्त अधिनियम की धारा 260-ध का उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री/श्रीमती/कुमारी पंग, वि. राधा घण्ण (अन्तरक)
- श्री/श्रीमती/कुमारी पंग, एम. माणि (अन्तरिनी)

ये यह सच्चना जारी करके दूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में यह भी आधिकारी करता है।

- इस सच्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सच्चना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो सार्वत्र ब्राह्म में गमण होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- इस सच्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहमनाश्री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —

उम्मे प्रयत्न जब्दों और पदों का, जो प्रायकर
प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20 के में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

गारंटी 4-8-1984, उद्मुक्ति कार्यालय उद्मुक्ति
के इमारेज स 1554 में संख्या अनुमति के अनुमार पारनाड
विहार सर्वेस, 14 मे 10.80 एकड़ "ग्राम पाट्टे"

तारीख : 20-4-85

माहर

Ref. L. C 743 अंक 6.—Whereas, I, Mrs S Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodu Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269L of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri. S. V. Radhakrishnan,
Main Street, Pannaipuram Village,
Uthamapalayam, Madurai District.
(Transferor)
- (2) Sri. M. M. Mani,
Kallupalam House, Valai Kadavanthara,
Cochin.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

10.80 Acres of Cardamom Estate in Sy. No. 14 of Parathodu Village registered in SRO, Udumbanchola, vide document No. 1554 dt. 9-8-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

निदेग मं. 716/85-86-~पर्दः मुझे मच्ची चौधरी आय-
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम का धारा 269 वा के द्वारा प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर संरक्षि,
जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है और
जिसकी मं. अनुमूल्की के अनुमार है, जो पारनाडे गांव मे स्थित
है (और इसमे उपावड़ अनुमूल्की मे और तुर्ण न्य से बणित है),
रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय उद्मुक्ति भाग मे भाजीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन,
9-8-1984 को पूर्वोक्त संरक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम
के द्वारा प्रतिफल के लिए अन्तरित बी गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है फि यद्यपि इसमें इसके
उचित मूल्य, उसमे दृष्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह फि अन्तरित (अंतरको) और
अन्तर्निहीन (अन्तरितियो) के बीच मेरे अन्तरण के लिए नष्ट
पाया गया प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण फिलिन
मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण मे ही किसी आय की वाबन उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के

अन्तरक द्वायित्व में कर्मी करना या उसमें
वचने में सुविधा के लिए ओर/या

(ए) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनावंश आस्तागत द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए :—

अतः अन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम नीं धारा 269-थ की उपधारा (1) के
आधान निम्ननिष्ठित व्यक्तियों अर्थात् :—

१. श्रामिक एवं वि. मुरुचिनगज (अन्तर :)
२ श्रामिकी सुनु मणि (अंतरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया गृह करता है। उक्त सम्पत्ति
के अर्जन के सबै कार्य भी आधेण :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त मा से
किसी व्यक्ति द्वारा या ;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नामील में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के राम
लिमिन में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो
आपकर अधिनियम, 1961 (, 961वा 43) के
अध्याय 20क में, या पर्याप्त है, वहाँ अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

तारीख ९-३-१९६५, ड्राइविंग स्ट्रीट रायोरप उडुबन्चोला
के दस्तावेज में १५४९ एंड १५५० में मन्त्रंग
अनुमूली के अनुमार पारस्तोड विलेज नवे स. ७/२, ११,
७/१८, ७/१ वी, ७/२ ए, ७/३, ३७ और ८/६ में १६.८१
एकड़ “टाईम्स प्राईट”।

तारीख २०-४-८५

मोहर :

गनी चाहुरा, मध्य प्राधिकारी
सहाय इ आमल जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एक्सामिनर

Ref. L.C. 746/85-86.—Whereas I, Mrs. Chaudhuri, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Authority) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Parathodu Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udumbanchola on 9-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269E of the said Act to the following persons, namely :

(1) Dr. S. V. Suruliraj,
S/o. A. S. S. Venkateswamy Gowder,
Main street, Panaipuram Panchayat,
Uthamapalayam, Madurai District.
(Transferor)

(2) Smt. Sunu Mani,
D/o M. M. Mani, Kallupalam House,
Valiakadavanthara, Cochin. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

16.81 Acres of Cardamom Estate in Sy. No. 7 2, 11, 7|1A, 7|1B, 7|2A, 7|3, 37 and 8|6 of Parathodu

Village, registered in SRO, Udumbanchola as per document Nos. 1549 and 1550/84 dt. 9-8-1984.

Dated : 20-4-1985

Seal :

MRS. S. CHAUDHURI, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam.)

